This question paper contains **4** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **3343**

Unique Paper Code : **62051103** **C**

Name of the Paper : **Hindi–'B'**

Name of the Course : **B.A. (Prog.) CBCS**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10+10+10=30

(क) सतगुर हम सूं रीझि कर, एक कह्या प्रसंग।
बरस्या बादल प्रेम का, भीजि गया सब अंग।।

अथवा

कृपासिंधु बोले मुसुकाई। सोइ करू जेहिं तव नाव न जाई।
बेगि आनु जल पाय पखारू। होत बिलंबु उतारहि पारू।।
जासु नाम सुमिरत एक बारा। उतरहिं नर भवसिंधु अपारा।
सोइ कृपालु केवटहि निहोरा। जेहिं जगु किय तिहु पगहु ते थोरा।

P.T.O.

munotes.in

(ख) बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाइ।

सौंह करै भौंहनु हँसै, दैन कहै नटि जाइ।।

अथवा

रूपनिधान सुजान लखें बिन आँखिन दीठि हि पीठि दई है।

ऊखिल ज्यौं खरकै पुतरीन मैं, सूल की मूल सलाक भई है।

ठौर कहूं न लहै ठहरानि को मूदें महा अकुलानिमई है।

बूड़त ज्यौं घनआनँद सोचि, दई बिधि ब्याधि असाधि नई है।

(ग) परिचय पूछ रहे हो मुझसे

कैसे परिचय दूँ इसका!

वही जान सकता है इसको,

माता का दिल है जिसका।।

अथवा

कोई न छायादार

पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार;

श्याम तन, भर बंधा यौवन,

नत नयन, प्रिय-कर्म-रत मन,

गुरु हथौड़ा हाथ,

करती बार-बार प्रहार :

सामने तरु-मालिका अट्टालिका, प्राकार।

2. तुलसी की भक्ति-भावना पर विचार कीजिए। 10

अथवा

कबीर के काव्य-सौंदर्य पर विचार कीजिए।

3. घनानंद के काव्य में निहित प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

बिहारी की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।

4. सुभद्रा कुमारी चौहान **अथवा** सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का साहित्यिक परिचय लिखिए। 10

5. (क) निम्न में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 5

(अ) खड़ी बोली

(ब) हिंदी भाषा का उद्‌भव

munotes.in

(ख) निम्न में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 5+5=10

(अ) भारतेंदुयुगीन काव्य

(ब) राम काव्य की विशेषताएँ

(स) रीतिमुक्त काव्यधारा

(द) प्रयोगवाद।

munotes.in